उत्तर प्रदेश में फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनियों के सहयोग से कृषि मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए मल्टी-स्टेकहोल्डर ग्रुप की

प्रथम कार्यशाला (Webinar)

का कार्यवृत्त

1. उ0प्र0 राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड के तत्वाधान में बोर्ड के तकनीकी मार्गदर्शन में गठित फार्मर प्रोड्यूसर कम्पनियों के सहयोग से कृषि मूल्य श्रृंखला की स्थापना के उद्देश्य से दिनांक-13 अगस्त, 2020 को श्री आलोक सिन्हा, कृषि उत्पादन आयुक्त, उत्तर प्रदेश सरकार की अध्यक्षता में उत्तर प्रदेश में कृषि मूल्य श्रृंखला को मजबतू करने के लिए मल्टी-स्टेकहोल्डर ग्रुप की प्रथम कार्यशाला की प्रथम बैठक आयोजित की गयी| इस बैठक में सह-आयोजक के रूप में उ0प्र0 राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड और 2030 जल संसाधन समूह (2030WRG) कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश शासन, उद्यान विभाग, उ0प्र0 शासन के अलावा 120 से अधिक किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ)/ प्राथमिक ऋण समितियों (पीएसीएस) और अन्य किसान समूहों, निजी क्षेत्र के 11 कृषि से सम्बंधित तकनीकि सेवा प्रदाता, सूक्ष्म वित्त/गैर बैंकिंग वित्त कम्पनियों और अन्य सम्बन्धित सरकारी विभागों ने सहभागिता की|
2. कोविड-19 संकट ने कृषि क्षेत्र सहित उससे जुड़े सभी क्षेत्रों को प्रभावित किया है| किसानों को फसल उत्पादन से जुड़ी बाधाओं से लेकर आपूर्ति श्रृंखला, नकदी की कमी और अन्य चुनौतियों के साथ फसल कटाई के बाद की समस्याओं से सबसे ज्यादा प्रभावित होना पड़ा है। इन समस्याओं के निराकरण के उद्देश्य से, उ0प्र0 राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड और 2030 जल संसाधन समूह (2030WRG) ने उत्तर प्रदेश के किसान समूहों के साथ मिलकर काम करने और कृषि मूल्य श्रृंखला को मजबतू करने, किसान आय वृद्धि तथा लाभप्रदता के लिए एक मल्टी-स्टेकहोल्डर समूह की स्थापना की है। यह समूह वित्त और ऋण, रसद समर्थन और सेवाओं, खाद्य प्रसंस्करण, बाजार संपर्क सेवाओं खाद्य प्रसंस्करण और जलवायु परिवर्तन के अनुकूल फसल पद्धतियों से सम्बंधित जानकारी आदि सहित प्रमुख क्षेत्रों में किसानों के उन्नति के लिए कार्य करेगा|
3. इस मल्टी-स्टेकहोल्डर समूह का उद्देश्य किसान उत्पादक सगंठनों (एफपीओ)/प्राथमिक ऋण समितियों (पीएसीएस) और अन्य किसान समूहों को नवीन तकनीकि और लाजिस्टिक सेवा समाधान उपलब्ध कराकर, उत्पादन से लेकर बिक्री तक किसानों को अधिक सक्षम बनाना और उनके आर्थिक विकास में तेजी लाना है| इस कार्यक्रम में

कृषि क्षेत्र में उन्नति तकनीकि से सम्बन्धित सेवा प्रदाता कंपनियों को अपने उत्पादों को सरकारी प्रतिनिधियों एवं किसान समूहों(FPO/PACS) को प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया|

4. 2030 जल संसाधन समूह (2030WRG) के राज्य समन्वयक, युवराज आहूजा ने बताया कि इस समूह का उद्देश्य निजी क्षेत्र के सहयोग से उत्तर प्रदेश के किसानों का समर्थन करना है और कोविड-19 महामारी के बाद विकास के नए मॉडल प्रदर्शित करना है। इससे अन्य किसानों को भी प्रौद्योगिकी अपनाने और मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने के लिए प्रेरित किया जा सकेगा।

5. कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए श्री आलोक सिन्हा (कृषि उत्पादन आयुक्त, उत्तर प्रदेश सरकार) ने कहा कि सरकार द्वारा एफपीओ के तहत किसानों की आय बढ़ाने और उन्हें विकास के लिए अन्य भागीदारों के साथ जोड़ने के लिए काम किया जा रहा है|

- परंपरागत रूप से हमने किसानों की इनपुट आपूर्ति और क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया है, लेकिन उपज के मूल्य संवर्धन और विपणन पर ज्यादा ध्यान केंद्रित नहीं किया जा सका। अब कृषि, बागवानी, पशुपालन, मछली पालन, रेशम, कीट पालन और औषधीय एवं सगन्ध कृषि उत्पादन कार्यक्रम इत्यादि को सम्मिलित करने के साथ-साथ कृषि में विविधता लाने के प्रयास किये जा रहे हैं।
- सरकार द्वारा एफपीओ नीति और खाद्य प्रसंस्करण नीति का मसौदा तैयार किया है जो विभिन्न चैनलों के माध्यम से उत्पादों की प्रसंस्करण, पैकिंग और विपणन के साथ मूल्य संवर्धन के लिए तीन चरणों में किसानों का समर्थन करेगी और बेहतर गुणवत्ता इनपुट्स की आपूर्ति करेगी|
- कृषि-जलवायु क्षेत्रों के अनुसार, हमने राज्य भर में क्लस्टर विकसित किए हैं और हमारा लक्ष्य प्रत्येक ब्लॉक में कम से कम 01 एफपीओ स्थापित करना है।
- हम उच्च उत्पादकता और दक्षता के लिए बागवानी, सिंचाई, कृषि मशीनरी, मनरेगा और अन्य के तहत विभिन्न योजनाओं के अभिसरण पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।
- हमारा उद्देश्य एफपीओ में किसानों को बेहतर आर्थिक लाभ प्राप्त करने में सक्षम बनाने के लिए कृषि को उत्पादन से विपणन तक ले जाना है|
- इस सम्मेलन के माध्यम से 2030WRG के प्रयासों से कृषि, सरकारी और अन्य निजी क्षेत्र के खिलाड़ियों द्वारा योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ेगी। इससे कृषि मूल्य श्रृंखला और हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।
- कृषि, औद्यानिकी एवं पशुपालन अपशिष्टों का समयबद्ध एवं वैज्ञानिक प्रबन्धन

करते हुए उसे जैव ऊर्जा उत्पादन की कार्ययोजना के अन्तर्गत सम्मिलित किया गया है, जिससे ऊर्जा क्षेत्र में आत्म-निर्भरता प्राप्त करने हेतु सरकार के प्रयासों को भी गति प्रदान की जा सके।

6. बैठक में प्रस्तुतियों के आधार पर निम्नलिखित संस्तुतियाँ की गयी-

i. उत्तर प्रदेश के एफपीओ, पैक्स और अन्य किसान संगठनों के किसान प्रतिनिधि 2030WRG टीम के साथ जुड़कर निजी क्षेत्र के कृषि तकनीकी एवं सेवा प्रदाता कंपनियों ने अपने उत्पादों और सेवाओं को प्रस्तुत किया है, उनके साथ काम करने के अवसर तलाशेंगे|

ii. 2030WRG टीम अगले 6 महीनों में निजी क्षेत्र की भागीदारी और अंतर्राष्ट्रीय विकास संगठनों के साथ केंद्रीय और राज्य योजनाओं के साथ अभिसरण कार्यक्रम विकसित करने और उन्हें अमल में लाने के लिए कार्य योजना बनायेगी|

iii. 2030WRG टीम मल्टी-स्टेकहोल्डर समूह के साथ और वित्त, लाजिस्टिक, प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों और बीमा सेवाओं के माध्यम से एफपीओ/पीएसीएस और किसानों को उनकी कृषि उपज के बेहतर उत्पादन, बिक्री, विपणन और आधिक आय प्राप्त करने में सक्षम बनाएगा।

iv. इस कार्य के लिए कृषि उत्पादन आयुक्त, उत्तर प्रदेश शासन की अध्यक्षता में 2030WRG टीम के सहयोग से कृषि विभाग, उद्यान विभाग, सूक्ष्म एवं लघु उद्योग विभाग, सहकारिता विभाग, एवं अन्य विभिन्न सरकारी विभागों तथा योजनाओं के अभिसरण, निजी क्षेत्र एवं तकनीकी सेवा प्रदाता की भागीदारी के द्वारा कृषि क्षेत्र को संगठित करने, आत्मनिर्भर बनाने और किसानों की आय बढ़ाने के लिए कार्य करेंगे|

v. अगले चरण के रूप में 2030WRG टीम द्वारा किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) के लिए उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, विपणन आदि से जुड़ी आवश्यकताओं के लिए आवश्यकता आंकलन (Need Assessment) का कार्य किया जा रहा है, जिससे इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाया जा सके|

14/09/2023

(पी0एस0 ओझा)
सदस्य संयोजक,
उ0प्र0 राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड।

उ0प्र0 राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड,

कक्ष सं0-534-535, पॉचवा तल, योजना भवन, लखनऊ,

website : bio-energy.up.nic.in

e-mail: support.bioenergy-up@nic.in,

upbioenergy2017@gmail.com,

फोन : 0522–2236213,

पत्रांक- 270 /उ0प्र0रा0जै0ऊ0वि0बो0/2020

लखनऊ : दिनांक- 14 सितम्बर, 2020

प्रतिलिपि-

1. निजी सचिव, कृषि उत्पादन आयुक्त, उ0प्र0 शासन/उपाध्यक्ष, उ0प्र0 राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड को महोदय के अवगतार्थ प्रेषित।
2. निजी सचिव, अपर मुख्य सचिव, कृषि विभाग, उ0प्र0 शासन को महोदय के अवगतार्थ प्रेषित।
3. निजी सचिव, प्रमुख सचिव, उद्यान विभाग, उ0प्र0 शासन को महोदय के अवगतार्थ प्रेषित।
4. निदेशक, कृषि विभाग, उत्तर प्रदेश।
5. निदेशक, राज्य कृषि प्रबन्ध, संस्थान, रहमान खेड़ा, लखनऊ।
6. निदेशक, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश।
7. प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 राज्य औद्योगिकी विपणन संघ, 2-सप्रू मार्ग, प्रेम नगर, हजरतगंज, लखनऊ, उ0प्र0-226001
8. निदेशक, समस्त प्रतिभागी, फार्मर प्रोड्यूसर आर्गेनाईजेशन।
9. गार्ड फाईल।

14/9/2020

(पी0एस0 ओझा)
सदस्य संयोजक,
उ0प्र0 राज्य जैव ऊर्जा विकास बोर्ड।